07 / 03 / 81 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

शान्ति स्वरूप के चुम्बक बन चारों ओर शान्ति की किरणें फैलाने का अनुभव

➢➢ मैं आत्मा शान्ति स्वरूप का चुम्बक हूँ...

➳ _ ➳ मैं होलीहंस आत्मा इस अशांति की दुनिया से ऊपर उड़ते हुए..

→ पहुँच जाती हूँ शांति की दुनिया शांतिधाम में

→ सारी हलचल से दूर वाणी से परे

- यह साइलेंस वर्ल्ड है..
- निराकारी आत्माओं की दुनिया है..
- मेरा निजधाम है..
- मेरे पिता का घर है..

→ यहाँ चारों ओर सिर्फ शांति ही शांति है..

→ सिर्फ लाइट ही लाइट है..

➳ _ ➳ शांति के सागर मेरे बाबा मेरे सम्मुख हैं...

→ शांति की किरणें मुझ पर बरसा रहे हैं..

→ शांति की किरणों से आच्छादित मैं आत्मा..

- खो जाती हूँ शांति के सागर में..

→ शांति के सागर की लहरों में लहराती हुई..

→ देख रही हूँ मेरे चारों ओर प्रकाश का औरा..

- जिसकी चमक बढ़ते ही जा रहा है..

→ मेरा ये प्रकाश दूर-दूर तक फैलता जा रहा है..

→ बाप समान स्वयं को दिव्य प्रकाश का पुंज अनुभव कर रही हूँ..

- मास्टर शांति का सागर बन गई हूँ..

→ सुप्रीम चुम्बक से चुम्बकीय शक्ति ग्रहण कर

- शांति का चुम्बक बन गई हूँ..

→ एक बाबा की याद में रह सिद्धियों को प्राप्त कर रही हूँ..

➢➢ चारों ओर शान्ति की किरणों को फैला रही हूँ...

➳ _ ➳ मैं आत्मा शांति स्वरुप की चुम्बक बन

→ शान्ति की किरणों का दान कर रही हूँ..

→ अशांत आत्माओं को अपनी ओर खींच रही हूँ..

→ नयनों द्वारा शान्ति का वरदान दे रही हूँ..

→ मुख द्वारा शान्ति स्वरूप की स्मृति दिला रही हूँ..

→ संकल्प द्वारा अशान्ति के संकल्पों को मर्ज कर

→ शान्ति के वायब्रेशन को फैला रही हूँ..

➳ _ ➳ शांति देवा बन सबको अपनी ओर आकर्षित कर रही हूँ. .

→ अशांति के वायुमंडल को शीतल बना रही हूँ..

→ चारों ओर के अन्धकार को समाप्त कर रही हूँ..

→ अपनी रोशनी से इस जहाँ को जगमगा रही हूँ..

→ सबको सच्ची शांति मिल रही है..

→ भटकती हुई आत्माओं को सत्य की राह दिखाई दे रही है..

- अपना लक्ष्य और मंजिल स्पष्ट दिख रहा है..
- सभी सही ठिकाने पर पहुँच रहे हैं..

➳ _ ➳ सदा अपने शांत स्वरूप के पावरफुल स्टेज में स्थित रहती हूँ...

→ मैं आत्मा सदा शांत स्वरुप के स्वमान में रहती हूँ..

→ औरों की अशांति का प्रभाव मुझ पर नहीं पड़ता है..

→ अशांति का वायुमंडल मुझे अपनी ओर नहीं खींच सकता

→ सदा बाबा के स्नेह की छत्रछाया में रहकर

- हर पल बाबा के साथ का अनुभव कर रही हूँ..

→ सदा शांति के सागर की याद में मगन रहती हूँ..

→ सदा डबल लाइट रह

- हर कार्य में सफलता प्राप्त कर रही हूँ..
- सभी विघ्नों को सहज पार कर रही हूँ..
- सदा मिलन मेले में बिजी रह एवररेडी बन रही हूँ..
- सदा हिम्मत और उल्लास में कार्य करती हूँ..
  - ▶ बापदादा के बधाई के पुष्पों की वर्षा में भीग रही हूँ..